दैनिक भास्कर
City भास्कर
इंदौर • शुक्रवार, 23 नवंबर, 2012

Morning Mantra

"सुंदरता बाहरी वस्तुओं में नहीं हमारे मन में होती है।"
स्वामी दयानंद सरस्वती

TODAY'S MUST ATTEND

टीवी स्टार सारा खान होटल फॉर्च्यून लैंडमार्क में दोपहर 12 बजे

पेज 16

तारा वाली गोटा जड़ी...

पेज 18

इंडियाज गॉट टैलेंट फिनाले में स्टार्स

NEWS बाइट

कॉर्पोरेट प्रोटोकॉल पर वर्कशॉप आज

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन (आईएमए) कॉर्पोरेट प्रोटोकॉल पर शुक्रवार को 'इवॉल्यूशन फॉर एक्सीलेंस' वर्कशॉप कराने जा रहा है।

होटल सरोवर पोर्टिको में सुबह 9.30 से शाम 5.30 बजे के बीच होने वाली इस एक दिनी वर्कशॉप की स्पीकर होंगी इंस्टिट्यूट फॉर पर्सनैलिटी इनहांसमेंट एंड सॉफ्ट स्किल्स की फाउंडर गुल परवेज़। आईएमए के संजय मालवीय ने बताया कि वर्कशॉप में लोकल-इंटरनेशनल लेवल के बिजनेस एथिक्स, कॉर्पोरेट मैनर्स और कलीग्स के साथ इंटरेक्शन पर चर्चा होगी। वर्कशॉप में प्रोफेशनल एटिकेट्स और सोशल मैनर्स के साथ डाइनिंग-वाइनिंग एटिकेट्स भी बताए जाएंगे।

TODAY's एप्प

टाल्पिक
(आईओएस और एंड्रॉयड के लिए फ्री)

हर स्मार्टफोन में कैमरा होता है और वह वॉयस इनपुट के कैपेबल होता है। ऐसे में आपको क्यों अपनी तस्वीर के लिए टेक्स्ट कैप्शन लिखने की जरूरत पड़ती है? आप टाल्पिक का इस्तेमाल कर सकते हैं, जिससे आप किसी भी तस्वीर के साथ वॉयस मैसेज जोड़ सकते हैं। दरअसल, यह एक फोटो शेयरिंग ऐप है। आप किसी फोटो के साथ एक टेक्स्ट टाइटल जोड़ने के बाद उसे रिकॉर्ड करवा सकते हैं।

म्यूजियम की सैर...

सोमवार से शुरू हुआ हैरिटेज वीक 25 नवंबर तक सेलिब्रेट किया जाएगा। हैरिटेज से जुड़ी चीजों के प्रति यूथ में दिलचस्पी जगाने के लिए केंद्रीय संग्रहालय में एक्जीबिशन लगाई गई है। गुरुवार को कॉलेज गर्ल्स का एक ग्रुप म्यूजियम में एक्जीबिशन देखने पहुंचा और कुछ इस अंदाज में नजर आया।
फोटो | विजय भट्ट

पैसिव स्मोकिंग से मिलेगा प्रोटेक्शन

सिर्फ 32 फीसदी पब्लिक प्लेसेस पर है नो स्मोकिंग मैसेज बोर्ड

AWARENESS CAMPAIGN

शहर को स्मोक-फ्री बनाने की पहल एनजीओ की तरफ से होने जा रही है।

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

आम लोगों को पैसिव स्मोकिंग के नुकसान से बचाने के लिए इंदौर में पहल होगी। मध्यप्रदेश वॉलेंटरी हेल्थ एसोसिएशन (एमपीवीएचए) की पिछले एक साल के दौरान हुई स्टडी को मानें तो शहर में 733 सार्वजनिक स्थानों में से महज 32 फीसदी जगहों पर नो स्मोकिंग के बोर्ड लगे हैं। बाकी जगहों पर या तो चेतावनी देते बोर्ड हैं ही नहीं या फिर फाड़ दिए गए हैं। एमपीवीएचए शहर के बाकी सार्वजनिक स्थानों पर अवेयरनेस के लिए मैसेज के बोर्ड लगाने का कैम्पेन चलाएगा।

गुरुवार को शहर के एक होटल में हुई वर्कशॉप में एनजीओ के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर मुकेश सिन्हा ने बताया कि इस पहल को 'इन्सेप्शन' नाम दिया गया है। महज़ 32 फीसदी पब्लिक प्लेसेस पर नो स्मोकिंग बोर्ड हैं। हम शहरभर में बोर्ड लगवाएंगे ताकि आम लोगों को पैसिव स्मोकिंग से प्रोटेक्शन मिल सके। वर्कशॉप में मेयर कृष्णमुरारी मोघे ने बताया कि शहर को स्मोक-फ्री बनाने के लिए हमें लोगों की मानसिकता बदलनी होगी।

ग्लैमर कॉशंट

पुलिस अधीक्षक डॉ. आशीष मानते हैं कि यंगस्टर्स के स्मोकिंग करने के पीछे सबसे बड़ा कारण ग्लैमर कॉशंट है। युवाओं के मन में सिगरेट पीने का कुछ ऐसा इम्प्रेशन बन गया है कि ऐसा करने से वे हाई प्रोफाइल सोसाइटी के कहलाए जाएंगे। वे सीरियसली सोच पाएंगे या स्टाइलिश नजर आएंगे।

ये मिले सुझाव

- शहर को स्मोक-फ्री बनाने के लिए वर्कशॉप में कुछ सुझाव दिए गए।
- जॉब का ऑफर लेटर देते हुए लिखित में यह ले लिया जाए कि आप ऑफिस परिसर में स्मोकिंग नहीं करेंगे।
- पब्लिक प्लेसेस पर स्मोक डिटेक्टर लगाएं।

श्री सिन्हा ने वर्कशॉप में स्टडी के बारे में बताया।

चंडीगढ़ मॉडल

हम चंडीगढ़ को वर्ष 2007 में स्मोक-फ्री शहर बना पाए। हमने आरटीआई अर्जियां दायर की। जब धारा-4 का खराब अमल सामने आया तो प्रशासन दबाव में आया और कोशिशें हुईं। इंदौर भी आरटीआई का चंडीगढ़ मॉडल अपना सकता है।
- हेमंत गोस्वामी, चेअरमैन, टोबैको-फ्री इंडिया कोएलिशन

इंदौर छह जिलों से पीछे

वर्कशॉप में श्री सिन्हा ने यह भी बताया कि धार, झाबुआ, खरगोन, खंडवा, आलीराजपुर और बुरहानपुर में कंट्रोल ऑफ टोबैको कंट्रोल एक्ट की धारा-4 पर अच्छी तरह अमल हो रहा है। पब्लिक प्लेसेस पर स्मोकिंग करने वालों से फाइन भी वसूला जा रहा है।

धार में 26 हजार रुपए का फाइन लग चुका है। पब्लिक स्मोकिंग करने पर 50 से 200 रुपए के जुर्माने का प्रावधान है। धार में तकरीबन 10 हजार लोगों पर जुर्माना लग चुका है। इंदौर में आधिकारिक तौर पर आंकड़ों का रखरखाव नहीं किया जा रहा। हालांकि, कलेक्टर ने धारा-4 पर सख्ती से अमल के आदेश दिए हैं।

डेढ़ साल के बच्चों को प्ले स्कूलों में मिल रहा एडमिशन, साइकोलॉजिस्ट पक्ष में नहीं

फास्ट लर्निंग के लिए 18 महीने में ही स्कूलिंग

MISSION ADMISSION

पैरेंट्स ओवरऑल डेवलपमेंट के लिए 18 महीने के बच्चों को ही प्ले स्कूल भेज रहे हैं। साइकोलॉजिस्ट सवाल उठाते हैं कि डेढ़ साल की उम्र में बच्चों को प्ले ग्रुप भेजने पर क्या उन्हें पैरेंटल टच मिल पाएगा?

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

शहर में कई प्ले स्कूलों में डेढ़ साल की उम्र के बच्चों को भी एडमिशन दिया जा रहा है। 18 महीने के बच्चे को प्ले ग्रुप में भेजने में कुछ हद तक वर्किंग पैरेंट्स की मजबूरी जिम्मेदार है। हालांकि, इसके पीछे सोच यह भी है कि बच्चे के ओवरऑल डेवलपमेंट के लिए उसे कम उम्र से ही फास्ट लर्निंग मिले। इतनी कम उम्र के बच्चों के पैरेंट्स और उन्हें एडमिशन देने वाले प्ले स्कूल्स इसे सही मान रहे हैं। चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट कहते हैं कि उम्र को ध्यान में रखकर ही बच्चों पर लर्निंग का बोझ डाला जाए। 18 से 22 महीने के बच्चों को अगर प्ले स्कूल भेज रहे हैं तो इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि उन्हें वहां पैरेंटल टच भी मिले।

इवेंट मैनेजमेंट कंपनी से जुड़ी स्मिता मेहता का मानना है कि पहले की जनरेशन के मुकाबले अब सिनेरियो बदल चुका है। हम एक महीने के बच्चे को हिंदी की लोरी के बजाय इंग्लिश राइम्स सुना रहे हैं। थोड़े बड़े बच्चों को कहानियां परियों की नहीं, बल्कि बिल गेट्स और स्टीव जॉब्स की बता रहे हैं। ऐसे माहौल में बच्चों को उसी तरह की लर्निंग के साथ तैयार करना होगा।

ये सिखा रहे बच्चों को

प्ले स्कूल में बच्चों को एक्टिविटीज़ के जरिए पढ़ाया जा रहा है। इसमें बेसिक मैनर्स, एटिकेट्स, सामान पहचानना, गर्म और ठंडे में फर्क करना जैसी जनरल एक्टिविटीज़ शामिल हैं। तीन साल के बच्चों को अल्फाबेट्स और नंबर्स सिखाए जा रहे हैं।

प्ले स्कूल में एडमिशन	मिनिमम एज
यूरो किड्स	1.5 साल
वेदांत प्री-स्कूल	1.5 साल
मदर्स पैट	2 साल
लिटिल सोल्जर	2 साल
कंट्री साइड	2 साल
इंडो किड्स	2 साल
बचपन	2.5 साल
एमरल्ड हाइट्स	2.5 साल

डॉक्टर्स का कहना है कि प्लेग्रुप लेवल पर होने वाली एक्टिविटीज़ दो साल से ज्यादा उम्र के बच्चों के लिए ही सही है।

ये हैं हक में

पैरेंट्स और स्कूलों का मानना है कि बच्चों में लर्निंग प्रोसेस एक साल की उम्र से शुरू हो जाती है। ऐसे में उन्हें 18 महीने की उम्र में प्ले स्कूल भेजा जा सकता है ताकि कॉम्पीटिटिव एज में वे जल्दी सीख सकें।

प्ले स्कूल जरूरी- यूरो किड्स की को-ऑर्डिनेटर किट्टू चिमनानी बताती हैं कि 18 महीने के बच्चों में लर्निंग तेजी से होती है। दूसरे लोगों से फैमिलियर कराने के लिए उन्हें प्ले स्कूल में भेजना जरूरी है।

मेंटल डेवलपमेंट की खातिर- बचपन प्ले स्कूल के डायरेक्टर मनोज शर्मा बताते हैं कि बच्चे जब तक टीवी और खिलौने से बाहर निकलकर दूसरी एक्टिविटी में इन्वॉल्व नहीं होंगे, उनका मेंटल डेवलपमेंट नहीं हो पाएगा। लिहाजा, 18 महीने बाद उन्हें प्ले स्कूल में भेजने में कुछ गलत नहीं है।

नहीं है ऑप्शन- लिटिल सोल्जर नर्सरी स्कूल की प्रिंसिपल प्रभा राजपूत बताती हैं वर्किंग मदर्स मजबूरी के चलते छोटे बच्चों का प्ले स्कूल में एडमिशन करा रही हैं।

क्रिएटिव लर्निंग गलत नहीं- कंट्री साइड प्ले स्कूल के फाउंडर अक्षय गुप्ता बताते हैं कि बच्चों को 18 महीने की एज से ही क्रिएटिव तरीके से लर्निंग देना गलत नहीं है।

ये हैं खिलाफ

डॉक्टर्स कहते हैं कि 18 महीने जितनी कम एज में बच्चों को माता-पिता से दूर कर प्ले स्कूल भेजने के मामले में सबसे बड़ा मुद्दा पैरेंटल टच का है।

उम्र का रखें ध्यान- चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट डॉ. स्वाति प्रसाद बताती हैं कि महज 18 महीने की उम्र में उन पर एक्स्ट्रा बोझ डालना सही नहीं है। एज रिलेटेड ग्रोथ को ध्यान में रखकर बच्चों को लर्निंग दी जाए।

पैरेंटल टच कहां से आएगा- साइकोलॉजिस्ट डॉ. अभय पालीवाल मानते हैं कि प्ले स्कूल के स्टाफ में पैरेंटल टच कहां से आएगा, इस बारे में भी ध्यान देना जरूरी है।

18 महीने में प्ले स्कूल ठीक नहीं- एमरल्ड हाइट्स स्कूल के प्रिंसिपल मुक्तेश सिंह कहते हैं हमारे प्ले स्कूल में बच्चों के एडमिशन की एज लिमिट दो साल है। हालांकि, इसे कम कर 18 महीने कर देना मुझे ठीक नहीं लगता।

जिया मोरा लहराए है...

मलय चक्रवर्ती ने दी गज़लों की प्रस्तुति

MUSICAL EVENT

गुरुवार शाम गज़लों और गीतों की चाशनी घुली। अभिनव कला समाज में मलय चक्रवर्ती ने सेमीक्लासिकल बंदिशें पेश की।

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

'कोयलिया मत कर पुकार कलेजुआ लागे कटारी'...मोहब्बत की टीस से लबरेज़ इस ठुमरी से महफिल में रंग भरे मलय चक्रवर्ती ने। मौका था अभिनव कला समाज में गुरुवार को हुए संगीत के कार्यक्रम का। मलय ने शुरुआत बेगम अख्तर की ठुमरी से की। इसके बाद बनारसी दादरा 'छा रही है काली घटा जिया मोरा लहराए है/ सुन री कोयल बावरी तू क्यों मल्हार गाए है' पेश किया।

आगाज के बाद बारी आई गज़लों की। सबसे पहले पेश हुई गजल - 'कुछ तो दुनिया की इनायत ने दिल तोड़ दिया और कुछ तल्खी-ए-हालात ने दिल तोड़ दिया'। राग दुर्गा पर आधारित इस गज़ल से मलय ने सुनकारों की तारीफ हासिल की। फिर पेश हुई गज़ल 'अपनों के सितम हमसे बताए नहीं जाते / ये वो हादसे हैं जो सुनाए नहीं जाते'। राग किरवानी में पेश इस गज़ल के हर अश्आर पर वाहवाही मिली। मलय अभिनेता भी हैं। वे 'किला' और 'अंदाज' जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं।

तालाब के लिए आईं दो नई बोट

इंदौर. पीपल्यापाला रीजनल पार्क स्थित तालाब के लिए गुरुवार को दो नई मोटर बोट आ गईं। अब यहां अलग-अलग तरह की कुल 17 बोट लोगों को घुमाने के लिए उपलब्ध हैं। मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम के रीजनल मैनेजर एम.एन. जमाली ने बताया नई बोट पांच सीटर है। एक बोट की कीमत 6.50 लाख रुपए है। अगले 10 दिन में आठ और नई बोट तालाब के लिए लाई जाएंगी।

नीरज श्रीधर देंगे लाइव कंसर्ट

इंदौर. बॉलीवुड के जाने-माने प्लेबैक सिंगर नीरज श्रीधर शहर में 25 नवंबर को पेशकश देंगे। संस्था कला अभिव्यक्ति के आयोजन में वे रविवार शाम 7.30 बजे सुपरहिट गानों की प्रस्तुति देंगे। नीरज पॉप सिंगर हैं और बॉलीवुड के कई हिट गानों को अपनी आवाज दे चुके हैं।

तीन दिन, आपकी बनाई प्रॉपर्टी को मिलेगा ज़बरदस्त रिस्पॉन्स.

LIC Housing Finance Ltd.
presents
MY AASHIYANA
Property Fair 2012
in association with OMAXE Turning dreams into reality
brought to you by Treasure Town
Co-sponsors
iBD | Treasure Market City | Shangri-La Live in paradise

7 - 9 December 2012

94.3 MY FM लेकर आ रहे हैं **माय आशियाना प्रॉपर्टी फेयर** 2012. यानी आपके लिए ऐसा मौका जहाँ आपकी प्रॉपर्टी को मिलेंगे अनेकों खरीददार.

माय आशियाना में प्रदर्शित कीजिए अपने प्रोजेक्ट, बताइए उनकी खूबियाँ और कीजिए नया घर पाने के सबके सपनों को साकार.

स्टॉल बुकिंग एंव अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
98930 00341, 88898 99943

94.3 MY FM jiyo dil se!
Find us on
www.myfmindia.com

ads, etc.

www.billabongindore.com
CBSE Affiliation No.: 1030581

An International School where learning has a purpose

Registrations Open (Playgroup to Class 9th)
Forms available on all working days :10 am - 3 pm. Sundays & Holidays Open : 11 am - 3 pm

Billabong High International School, Indore
An ISO 9001 : 2008 Institute

- City Office : 56 Shops, M.G. Road, Indore
Ph. : 0731-4224204/06, 099202-75633
- Main School : Bicholi Mardana, Indore
Ph. : 0731-2847022/33/44, 93003-11322

BOARDS ▪ CBSE (1st to 10th) ▪ CIE(A Level)

Kangaroo Kids

A Mumbai based school running with 63 branches throughout India & abroad